B.A - part - I
Sub - Pol. science
Paper - I (Political Theory).

Topic :⟹ राजनीति विज्ञान की प्रकृति / स्वरूप
(Nature of Political science)

Q — राजनीति विज्ञान कला है या विज्ञान ?

Dr. Dhananjay Jha.
Asst. Prof/Guest faculty/part time
Deptt. of pol. science.
L.S. College, Muzaffarpur

* राजनीति विज्ञान कला के रूप में :⟹

⟹ राजनीति विज्ञान को यदि हम कला मानते हैं तो हमको देखना होगा कि इसमें कला के लक्षण/गुण/विशेषताएँ विद्यमान होने चाहिए।

⟹ कला का आशय एवं उद्देश्य जीवन की सुन्दरतम अनुभूति से है। यह मानव की श्रेष्ठ कल्पनाओं की सुन्दर अभिव्यक्ति है। कला का उद्देश्य जीवन को मधुर एवं समुन्नत बनाना है, साथ ही साथ कला का उद्देश्य ठोस तथ्यों का प्रतिपादन करना भी होता है।

⟹ यदि हम गौर से देखें तो एक कलाकार की भाँति राजनीति विज्ञानी भी अपने विचारों की अभिव्यक्ति बहुत अच्छे ढंग से करने का प्रयास करते हैं। वे विचारों तथा तथ्यों का आकर्षक रंगों के माध्यम से उसे लोकप्रिय, सरल तथा लोकोपयोगी बनाने का भी हरसंभव प्रयास करते हैं। संगीत एवं कला की भाँति ही राजनीति विज्ञान का उद्देश्य भी राज्य एवं नागरिकों के लिए आदर्श सिद्धान्तों का प्रतिपादन कर मानव जीवन को सुखी, समुन्नत, आदर्शोन्मुखी एवं मधुर बनाना होता है।

⟹ राज्य अपने उद्देश्यों की पूर्ति एवं कार्य संचालन के लिए जिस प्रकार के नियम, साधन या उपाय अपनाता है, उसे कला के अन्तर्गत ही समाहित किया जाता है। व्यावहारिक राजनीति का सम्बन्ध कला से ही है।

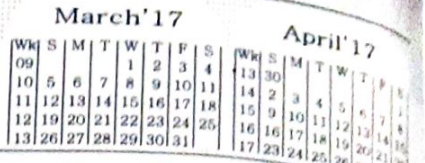

⟹ शासन करने को भी एक श्रेष्ठ कला की संज्ञा दी जाती है। मैकियावेली अपने सिद्धान्त में शासन कला का ही वर्णन करता है। यही मतलब है कि प्लेटो शासन का उत्तरदायित्व इसी कारण से परम सत्य के ज्ञान से युक्त दार्शनिक राजा को ही सौंपने की हिदायत करता है।

उपर्युक्त तथ्यों के विश्लेषण के आधार पर हम कह सकते हैं कि शासन करना स्वयं अपने-आप में एक श्रेष्ठ कला है।

⟹ राजनीति विज्ञान को कला के रूप में साबित करने के लिए इसका कारण यह हो सकता है कि विज्ञान (science) का दर्जा प्राप्त करने के लिए जिस निश्चित एवं सुपरिभाषित नियमों की आवश्यकता होती है, वह राजनीति विज्ञान के पास उपलब्ध नहीं है। राजनीति विज्ञान के अन्तर्गत आने वाले स्वतन्त्रता, समानता जैसे शब्दों का विभिन्न राजनीतिक विचारकों एवं चिन्तकों के द्वारा भिन्न-2 अर्थ लगाए गये हैं। इस आधार पर हम इसको कला की श्रेणी में रखते हैं।

⟹ राजनीति विज्ञान में लोगों की मनोवृत्ति (Attitude), स्वभाव (Nature), आदतों (Habits) इत्यादि के बारे में विज्ञान की तरह कोई कठोर नियम नहीं बनाए जा सकते हैं। इस तथ्य के आधार पर भी इसको हम कला की श्रेणी में ही रखते हैं।

⟹ राजनीतिक वैज्ञानिकों (Political scientists) के निष्कर्षों को प्रयोग की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता है। इस कारण भी इसे हम कला की श्रेणी में रखना ही उचित समझते हैं।

Important Works	Important Calls	Important Meetings

राजनीति विज्ञान, विज्ञान के रूप में

09

⟹ किसी विषय के क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहते हैं। इस परिभाषा की अंग्रेजी के शब्दकोष चैम्बर्स डिक्शनरी से भी पुष्टि की जा सकती है। चैम्बर्स डिक्शनरी के अनुसार, विज्ञान वह ज्ञान है, जो पर्यवेक्षण और प्रयोग पर आधारित हो, भली-भाँति परीक्षित तथा क्रमबद्ध हो और सामान्य सिद्धान्तों में समाहित हो। विज्ञान की परिभाषा गार्नर महोदय ने भी दी है। उनके अनुसार - विज्ञान उस एकीकृत ज्ञान भण्डार को कहते हैं जिसकी प्राप्ति विधिवत पर्यवेक्षण, अनुभव और अध्ययन द्वारा हुई हो। जिसके तथ्यों का उनमें परस्पर उचित सम्बन्ध स्थापित करके क्रमबद्ध वर्गीकरण किया गया हो।

⟹ उक्त परिभाषाओं के विश्लेषण से विज्ञान की निम्नलिखित विशेषताएँ प्रकट होती हैं —

(i) विज्ञान में प्रयोगात्मक विधियों का काम में लाया जाता है।

(ii) निश्चित विधि तथा तर्क के आधार पर सामान्य सिद्धान्तों की स्थापना की जाती है।

(iii) विज्ञान के सिद्धान्त या नियम निश्चित तथा सार्वभौम होते हैं, वे सभी स्थानों व समयों में लागू होते हैं।

(iv) विज्ञान में भविष्यवाणी करने की अपूर्व क्षमता है।

(v) प्रत्येक निष्कर्ष विवेचनात्मक है, अतः विश्लेषण के लिए उत्तरदायी है।

(vi) प्रत्येक निष्कर्ष कार्य-कारण सम्बन्ध को स्पष्ट करता है।

Important Works	Important Calls	Important Meetings

March'17

Wk	S	M	T	W	T	F	S
09				1	2	3	4
10	5	6	7	8	9	10	11
11	12	13	14	15	16	17	18
12	19	20	21	22	23	24	25
13	26	27	28	29	30	31	

April'17

Wk	S	M	T	W	T	F	S
13	30						1
14	2	3	4	5	6	7	8
15	9	10	11	12	13	14	15
16	16	17	18	19	20	21	22
17	23	24	25	26	27	28	29

⟹ यदि राजनीति विज्ञान, परम्परागत विज्ञान की परिभाषा एवं उसकी विशेषताओं के अनुरूप खरा उतरता है, तो इसे विज्ञान की श्रेणी में रखा जा सकता है।

⟹ कुछ सरीखे विद्वान राजनीति विज्ञान को विज्ञान की श्रेणी में रखते भी हैं। अरस्तु ने इसे सर्वोच्च विज्ञान (Master Science) की संज्ञा दी है। अरस्तु के अतिरिक्त हॉब्स, बोदां, मॉण्टेस्क्यू, ब्राइस, ब्लूंटश्ली, रॉबर्ट जैलिनेक, डॉ० फाइनर तथा एच० जे० लॉस्की जैसे सरीखे विद्वान भी इसे विज्ञान की श्रेणी में रखते हैं।

⟹ राजनीति विज्ञान में भौतिक विज्ञानों की भांति कुछ सामान्य नियम या शाश्वत सिद्धान्त हैं जैसे – राज्य, विधि, न्याय, क्रान्ति आदि के सम्बन्ध में कुछ ऐसे निश्चित सिद्धान्त हैं जो प्रत्येक परिस्थिति और देश पर लागू होता है। उदाहरण के तौर पर अरस्तु के राज्य का वर्गीकरण, क्रान्ति का सिद्धान्त, बोदां का सम्प्रभुता का सिद्धान्त, लॉक एवं रूसो का स्वतन्त्रता का सिद्धान्त।

⟹ विज्ञान की तरह राजनीति विज्ञान में भी कार्य कारण सम्बन्ध स्थापित किया जा सकता है। दरअसल जब कोई शासक अत्याचारी या अनुत्तरदायी होता है तथा शासन जनहित में नहीं होता तो वैसी परिस्थिति क्रान्ति/विद्रोह को जन्म देती है। इस प्रकारेण भौतिक विज्ञान में भी हम कार्य-कारण सम्बन्ध (Cause and effect) (Causation Theory) स्थापित कर सकते हैं।

⟹ राजनीति विज्ञान में विज्ञान की भांति विभिन्न सिद्धान्तों एवं शासन पद्धतियों का सफल प्रयोग एवं पर्यवेक्षण किया जा सकता है जैसे लोकतांत्रिक तथा अन्य शासन – प्रणालियों के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि लोकतंत्रीय शासन अन्य पद्धतियों की अपेक्षा

Important Works	Important Calls	Important Meetings

April'17

Wk	S	M	T	W	T	F	S
13	30						1
14	2	3	4	5	6	7	8
15	9	10	11	12	13	14	15
16	16	17	18	19	20	21	22
17	23	24	25	26	27	28	29

May'17

Wk	S	M	T	W	T	F	S
18		1	2	3	4	5	6
19	7	8	9	10	11	12	13
20	14	15	16	17	18	19	20
21	21	22	23	24	25	26	27
22	28	29	30	31			

09 अधिक लोकप्रिय तथा लोकहित के प्रति सजग है।

⟹ संघवाद, बहुलवाद, समाजवाद, लोकप्रिय सम्प्रभुता, लोक कल्याणकारी राज्य आदि की धारणा का राजनीति में समावेश एक प्रयोग के तौर पर ही हुआ और इसमें उसे सफलता भी प्राप्त हुई।

10

11

12

01

02

03

4

SUNDAY 16